विषय सङ्केत

पृष्ठ संख्या

आशंसन

प्राक्कथन

पूर्वभाग–तात्त्विक विवेचन

प्रथम अध्याय 1

पाश्चात्य शास्त्रीय समीक्षक

सामान्य परिचय– प्लेटो, अरस्तू, लौंजाइनस, होरेस।

काव्य का सामान्य विवेचन– काव्य की प्रमुख विधायें। काव्य का सर्वोत्कृष्ट रूप त्रासदी। त्रासदी की परिभाषा। त्रासदी के प्रमुख तत्त्व। त्रासदी की आत्मा– अनुकरण।

द्वितीय अध्याय 19

कथानक–

कथानक का आधार। कथानक का आयाम। कथानक के मूल गुण– एकान्विति, पूर्णता, सम्भाव्यता, कुतूहल। कथानक के भेद– सरल एवं जटिल। जटिल कथानक के अंग–स्थिति विपर्यय एवं अभिज्ञान। कथानक के दो भाग–संवृत्ति और विवृत्ति। त्रासदीय भाव – करूणा एवं त्रास। विरेचन। त्रासदी के संगठन सम्बन्धी अंग – प्रस्तावना, उपाख्यान, उपसंहार, वृन्दगान। चरित्र–चित्रण की अपेक्षा कथानक की श्रेष्ठता। कथानक के लिये निषेध।

तृतीय अध्याय– 38

चरित्र–चित्रण–

पात्र के विशेष नैतिक गुण। नायक के लिये आवश्यक गुण। नायक के लिये वर्जित तत्त्व। त्रासदीय दोष।

विचार तत्त्व, पद रचना– शब्दों के भेद। शैली। **संगीत। दृश्य विधान।**

चतुर्थ अध्याय 57

काव्य में उदात्त– तत्त्व

अन्तरंग तत्त्व, बहिरंग तत्त्व, विरोधी तत्त्व।

काव्य में औचित्य-

काव्य, शैली, कवि।

दोष विवेचन-

तत्त्वगत दोष, सांयोगिक दोष, दोषों का गुणत्व साधन।

उत्तर भाग - व्यावहारिक अध्ययन

पंचम अध्याय 84

अभिज्ञान शाकुन्तलम्- कथानक।

षष्ठ अध्याय 118

अभिज्ञानशाकुन्तलम्- चरित्र-चित्रण।

सप्तम अध्याय 151

अभिज्ञानशाकुन्तलम्-

विचार तत्त्व, पदरचना, उदात्त तत्त्व, औचित्य तत्त्व।

अष्टम अध्याय 175

विक्रमोर्वशीयम्

कथानक, चरित्र-चित्रण, विचार-तत्त्व, पद-रचना,
उदात्त तत्त्व, औचित्य तत्त्व।

नवम अध्याय 232

मालविकाग्निमित्रम्-

कथानक, चरित्र-चित्रण, विचार-तत्त्व, पद-रचना,
उदात्त तत्त्व, औचित्य तत्त्व।

दशम अध्याय 289

उपसंहार।

परिशिष्ट 297

1. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची-
2. विशिष्ट शब्दानुक्रमणी